Tender Heart High School, Sector-33 B, Chandigarh

कक्षा - तीसरी

शिक्षिका - श्रीमती कल्पना शर्मा

विषय - हिन्दी साहित्य

पुस्तक : तरंग हिन्दी पाठमाला-3

उपविषय : पाठ-4 'तितली का घमंड' की दोहराई

सुप्रभात प्यारे बच्चो!

आज हम कक्षा तीसरी की हिन्दी साहित्य की पाठ्यपुस्तक तरंग हिन्दी पाठमाला भाग-तीन में दिए पाठ-4 तितली का घमण्ड की दोहराई करेंगे। सभी बच्चे इस दोहराई को करने से पहले पाठ को दो से तीन बार ऊँचे स्वर में पढ़ेंगे तथा इस पाठ के शब्द अर्थ तथा प्रश्नोत्तर याद करेंगे।

प्रश्न 1. शब्द अर्थ :-

(क) नफ़रत - (ख) नन्ही -

(ग) गुस्सा - (घ) रेंगना -

प्रश्न 2. किसने, किससे कहा :-

(क) "अच्छा ऐसी बात है।"

(ख) "क्या बकते हो ? मैं और तुम्हारे जैसी ?"

कक्षा- तीसरी

शिक्षिका - श्रीमती कल्पना शर्मा

विषय- हिन्दी साहित्य

प्रश्न 3. खाली स्थान भरो :-

(क) चमको तितली खुद को बहुत —— मानती थी।

(ख) कुछ दिन बाद वह कीड़ा एक —— तितली में बदल गया।

(ग) तुम कितने —— लग रहे हो।

प्रश्न 4. सही या गलत

(क) कीड़े का रंग काला था। ( )

(ख) तितली के पंख रंग-बिरंगे थे। ( )

(ग) कीड़ा क्यारी में रेंग रहा था। ( )

प्रश्न 5. वाक्य बनाओ

(क) पंख -

(ख) घमण्ड -

प्रश्न 6. प्रश्न उत्तर

(क) तितली अपने आपको कैसा मानती थी ?

कक्षा - तीसरी

शिक्षिका - श्रीमती कल्पना शर्मा

विषय - हिन्दी साहित्य

प्रश्न 2. कीड़े ने हँसकर तितली से क्या कहा ?

गृहकार्य

सभी छात्र ऊपर दिए सभी प्रश्नों को याद करके अपनी - अपनी कॉपी में लिखेंगे। इस कार्य को सभी सुन्दर लिखाई में लिखेंगे।

धन्यवाद।

[Last Page]